

2578

पत्रावली राजस्व लोक अदालत चैम्पनेट
 सुधारों में करी हुई परिकारा उपकीव
 उद्दिष्टी हाय सुपुत्र जब फज 7 निठ ॥
 जो सुना गया जाओ ने हीका विषय
 कि मेरे द्वारा उद्दिष्टी रु 1 5 5 की
 मूल्य उपराह दावा पेश विषय जो
 नियमानुसार गलत है परिकारा
 जो सुना गया पत्रावली का खेवलावम
 राजस्व लोक अदालत की भावना को
 महफेनजर रखते हुए अपलोकन



सत्यमेव जयते

Copy - Not Official

कायदा

किमा जगता मनन किमा जगता अस्वीकृत
के ओरसे प्रकृत अवकाश 7 नो 11
स्वीकार किमा अकार नाही इय प्रकृत
बाड अस्वीकृत किमा जाय है। पजावकी
फैजल शुमार ही यही नस्बत सेकत
है। निष्कर्ष मंगलवात राजध्व लोक
अदालत केस्य कार मुहतामी मे
मुनामा जगता

1/-
NADIB copy मुहतामी